>

Title: Regarding progress of centrally sponsored schemes.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत से मैं एक बड़ा महत्वपूर्ण मसला उठाना चाहता हूं। अगर आपको वह मसला ठीक लगे, तो आप हमें बोलने के लिए ज्यादा समय दे दें। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Every Member should have only one minute.

चौधरी लाल सिंह : अभी थोड़े ही मैम्बर बोलने वाले रह गये हैं इसलिए आप सबको पांच-सात मिनट बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : स्पेशल मैंशन में एक मिनट बहुत होता है।

चौधरी लाल सिंह : Sir, you know it better. जो सैंट्रली स्पोंसर्ड स्कीम्स हैं, उन स्कीमों की निचले स्तर पर क्या हालत होती है, आप जानते ही हैं। इतनी स्कीमें बनी हैं, लोगों को एम्प्लायमेंट देने के लिए नेशनल रूरल एम्प्लायमेंट गारंटी एक्ट भी बना। वहां लेबर काम करेगी, लोगों को रोजगार मिलेगा। मैं पिछले हफ्ते डिस्ट्रिक्ट रामबण में गया था, जिसका नाम पहले डोडा था। नेशनल रूरल एम्प्लायमेंट गारंटी एक्ट बना।[MSOffice70]

महोदय, उस इलाके में मजदूरों ने काम किया हुआ है। ये कहते हैं कि हम 100 दिन काम करेंगे, लेकिन वहां जिन लोगों ने काम किया है, उन लोगों को पेमेंट नहीं मिल रही है। वे जॉब कार्ड दिखा-दिखा कर मुझे शर्मिन्दा कर रहे थे क्योंकि उन्हें पेमेंट नहीं मिल रहा है। मेरे कहने का मकसद यह है कि इस तरीके से लोगों की पेमेंट ब्लॉक हैं और उसके साथ-साथ उनकी एक्सप्लॉयटेशन हो रही है। एक मेड बन के पूरा ही सौदा कर रहा है। केन्द्र सरकार की जो विजिलेंस और मानीटरिंग कमेटी है, जिसका चेयरमैन एम.पी. होता है, उसका वहां कोई मायना नहीं है। हमने वहां बात कर के देखी है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका पाइंट क्या है, वह आप बताएं।

चौधरी लाल सिंह : मैं वही कहने जा रहा हूं। मैं आपकी इजाजत से कहना चाहता हूं कि जो सेंट्रल गवर्नमेंट की स्कीम्स हैं, इनकी मॉनीटरिंग के लिए मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट को उस कमेटी का चेयरमैन बनाकर बैठाया है, वह न के बराबर है। उसकी इसमें कोई वैल्यू नहीं है। हमारी स्कीमें नेवाड़ में ल रही हैं। हमारे यहां दूरदराज के इलाके में एक सड़क बनाने के लिए स्कीम आई। आप हैरान होंगे कि वह सड़क पूरी कच्ची भी नहीं बन पाई, कहीं मैटल, कहीं सिंगल और उसके प्री-मिक्सर के पैसे देने होंगे। इसी प्रकार से हमारे यहां 7 करोड़ 91 लाख रुपए का अंडर सी.एफ. एक ब्रिज सैंक्शन हुआ, उसके साथ छः किलोमीटर सड़क बनी, वह वर्ष 2002 में सैंक्शन हुआ, आज पांच साल हो गए हैं, ब्रिज के पिलर पड़ गए हैं, लेकिन ब्रिज की छत आज तक नहीं बनी है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि यह सेंट्रली स्पोंसर्ड स्कीम है, इन्हें शीघ्र इम्पलीमेंट कराया जाए, तब इसका बैनेंस हो पाएगा। धन्यवाद, शुक्रिया, जयहिन्द।